

---

shrIdatta atharvashIrSha

श्रीदत्त अथर्वशीर्ष

Document Information

---

Text title : dattAtharvashIrSham

File name : dattAtharvashIrSha.itx

Category : atharvashIrSha, deities\_misc, dattAtreya

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com> ,

Proofread by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com> ,

Latest update : April 25, 2010

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 1, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीदत्त अथर्वशीर्ष



॥ उरिः ॐ ॥

ॐ नमो भगवते दत्तात्रेयाय अवधूताय  
द्विगंभरायविधिउरिउराय आदितत्वाय आदिशक्तये ॥ १ ॥

त्वं यरायरात्मकः सर्वव्यापी सर्वसाक्षी  
त्वं द्विक्कावातीतः त्वं द्वन्द्वतीतः ॥ २ ॥

त्वं विश्वात्मकः त्वं विश्वाधारः विश्वेशः  
विश्वनाथः त्वं विश्वनाटकसूत्रधारः  
त्वमेव देवलं कर्तासि त्वं अकर्तासि च नित्यम् ॥ ३ ॥

त्वं आनन्दमयः ध्यानगम्यः त्वं आत्मानन्दः  
त्वं परमानन्दः त्वं सखिदानन्दः  
त्वमेव यैतन्यः यैतन्यदत्तात्रेयः  
ॐ यैतन्यदत्तात्रेयाय नमः ॥ ४ ॥

त्वं भक्तवत्सलः भक्ततारकः भक्तरक्षकः  
दयाधनः भजनप्रियः त्वं पतितपावनः  
करुणाकरः भवभयहरः ॥ ५ ॥

त्वं भक्तकारणसंभूतः अत्रिसुतः अनसूयात्मजः  
त्वं श्रीपादश्रीवल्लभः त्वं गाण्डगात्रामनिवासी  
श्रीमन्त्रिसिद्धसरस्वती त्वं श्रीनृसिद्धभानः  
अक्कलकोटनिवासी श्रीस्वामीसमर्थः  
त्वं करवीरनिवासी परमसद्गुरु श्रीकृष्णसरस्वती  
त्वं श्रीसद्गुरु माधवसरस्वती ॥ ६ ॥

त्वं स्मर्तृगामी श्रीगुरुदत्तः शरणागतोऽस्मि त्वाम् ।  
दीने आर्ते मयि दयां कुरु

तव ऐकमात्रदृष्टिक्षेपः दुरितक्षयकारकः ।  
डे ङगवन्, वरददत्तात्रेय,  
मामुद्धर, मामुद्धर, मामुद्धर ँति प्रार्थयामि ।  
ॐ द्रां दत्तात्रेयाय नमः ॥ ७ ॥

॥ ॐ दिगंबराय विद्मडे अवधूताय धीमडि तन्नो दत्तः प्रचोदयात् ॥

Encoded and proofread by

Dinkar Deshpande dinkar.deshpande@gmail.com

Sunder Hattangadi

---

*shrIdatta atharvashrSha*

pdf was typeset on April 1, 2025

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

